ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:02.04.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-04-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	03/04/2024	04/04/2024	05/04/2024	06/04/2024	07/04/2024
वर्षा (मीमी)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	34.0	35.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	14.0	15.0	15.0	15.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	70	75	75	75	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	30	30	30	35	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	12	10	12	11
पवन दिशा (डिग्री)	270	70	110	70	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	7	3	2	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (26 मार्च से 1 अप्रैल) के दौरान कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.5 से 36.5oC और 12.9 से 18.4oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 49-90% और 19-52% के बीच रही। हवा दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-पश्चिम-दक्षिण और पश्चिम से 1.2-5.6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह मौसम साफ रहा। आगामी सप्ताह में क्रमशः 33.0-35.0oC और 14.0-15.0oC के बीच अधिकतम-न्यूनतम तापमान के साथ कोई वर्षा नहीं होने की उम्मीद है। 10-12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्व-उत्तर-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व और पश्चिम दिशा से हवा चलने का अनुमान है। क्षेत्र में मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई समग्र क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली से पता चलता है कि 29 मार्च-4 अप्रैल तक अनुमानित प्रवृत्ति में अधिक वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति देखी जाएगी। सिंचाई अनुप्रयोग और किसी भी अन्य रोग/कीट नियंत्रण उपायों का पालन किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, मौसम शुष्क रहेगा, इसलिए किसानों को नियमित अंतराल पर फसलों में सिंचाई करने की सलाह दी जाती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर/ फील्ड पी	परिपक्वता फली बनना	फली छेदक एक प्रमुख कीट है जिसे इंडोक्साकार्ब, इमामेक्टिन बेंजोएट और क्लोरेंट्रानिलिप्रोल जैसे विभिन्न रासायनिक अनुप्रयोगों का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। परिपक्व फलियों की कटाई कर उन्हें अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए।
उड़द/ मूँग	बुआई	बुआई अनुशंसित एवं उपचारित बीज किस्मों से करनी चाहिए। इन्हें वसंतकालीन गन्ने के साथ सहफसली भी किया जा सकता है।
राइ	परिपक्वता	परिपक्व फलियों की कटाई करनी चाहिए और गहाई से पहले उन्हें अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए। सूखी और घिसी हुई फलियों को अच्छी तरह भंडारित करें।
गेहू	अनाज भरना	सिंचाई करनी चाहिए। उपज हानि से बचने के लिए खरपतवारों विशेषकर गुल्ली-डंडा और जंगली ओट को नष्ट कर देना चाहिए। पीले और भूरे रतुआ की उपस्थिति को नियंत्रित किया जाना चाहिए और महू के हमले को अनुशंसित कीटनाशक से नियंत्रित किया जाना चाहिए ।
गन्ना	वानस्पतिक	वसंत ऋतु में बोए गए गन्ने में आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। शरद ऋतु में बोए गए गन्ने तथा पेड़ी गन्ने की नई फसल में सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग करनी चाहिए।
चारा फसल (बरसीम)	वानस्पतिक	काटने के बाद सिंचाई करनी चाहिए।
चारा मक्का	वानस्पतिक	फसल की सिंचाई करनी चाहिए तथा 3-4 दिन बाद यूरिया की टॉपड्रेसिंग करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	-	फल लगने के बाद मैंगो हॉपर रोग होने पर आम के बगीचे में इमिडाक्लोप्रिड 3 मिली/10 लीटर की दर से छिड़काव करना चाहिए।
पपीता	-	मैदानी इलाकों में, पपीते के बगीचे के बेसिन को साफ किया जाना चाहिए और परिपक्व फलों को बाजार में भेजा जाना चाहिए। पपीते की नई फसल के लिए नर्सरी की बुआई करनी चाहिए।
टमाटर/मिर्च	रोपाई	की फसल में, रोपाई से पहले जड़ों को 10-15 मिनट के लिए इमिडाक्लोप्रिड @1 ग्राम/लीटर पानी में डुबाना चाहिए और जल्दी रोपाई वाली फसलों में पाईबाल्ड पत्तियों के सिकुड़ने पर संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए।

बैंगन	वानस्पतिक	पहले से लगाई गई फसल में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई एवं सिंचाई करनी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	गर्भ से हुए पशुओं में प्रसव ज्वर की रोकथाम के लिए 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण देना चाहिए। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रतिदिन यह मिश्रण खिलाया जाना चाहिए क्योंकि इस दौरान उनमें बाँझपन और जॉन्स रोग (पैराट्यूबरकुलोसिस) रोग होने का खतरा होता है। वयस्क पशुओं में खुरपका एवं मुँहपका नमक बीमारी का टीकाकरण करवाने से 15 दिन पूर्व कृमिनाशक दवाई का इस्तेमाल अवश्य करें।